सहपिडिया-यूनेस्को योजना शोधवृत्ति- 2019

अनुबंध 4

प्रदेयों की विस्तृत जानकारी

शोध की आपकी परिभाषा क्या है?

किसी भी नए या मौजूदा विषय/ विषयों एवं स्त्रोत/ स्त्रोतों की व्यवस्थागत व विस्तृत पड़ताल जिससे नयी जानकारी हासिल हो तथा एक भिन्न परिणाम व समझ स्थापित की जा सके. शोध के अंतर्गत प्राथमिक व सहायक स्त्रोत, दोनों को स्थान दिया जाता है. इस श्रेणी का चयन करने पर अभ्यर्थियों को सूची में दिए गए विकल्पों में से लिखित प्रदेयों का चुनाव करना होगा.

दस्तावेज़ीकरण से आपका क्या मतलब है?

नए अथवा मौजूदा स्त्रोतों की विस्तृत जानकारी देते हुए वृत्तचित्र व छवियाँ. इस विकल्प का चयन करने वाले अभ्यर्थियों को दृश्य-संबंधी प्रदेय चुनना होगा.

संयुक्त शोध

इस विकल्प का चयन करने वाले अभ्यर्थियों को अपने शोध की व्याख्या के लिए लिखित एवं दृश्य-संबंधी, दोनों प्रदेय चुनना होगा.

लेखन-संबंधी दिशानिर्देश

इन आलेखों को विद्वानों को लक्ष्य कर के नहीं बल्कि आम जनता हेतु लिखा जाना चाहिए. आम जनता के लिए यह स्पष्ट एवं सहज होना चाहिए. क्लिष्ट भाषा एवं अस्पष्ट सन्दर्भों के जिक्र से बचना चाहिए.

तर्क की कसौटी पर कसी हुई तथा सधी हुई लेखनी होनी चाहिए ताकि कथानक को मजबूत आधार मिले. लंबे व जटिल वाक्यों की जगह सहज वाक्यों पर जोर होना चाहिए.

सभी आलेखों एवं विडियो के साथ संदर्भ-सूचना होनी चाहिए. हर प्रदेय के साथ संदर्भों/ ग्रन्थसूचियों/ स्त्रोतों का विस्तृत विवरण होना चाहिए.

क्षेत्रीय भाषा की सभी प्रस्तुतियां यूनिकोड फॉन्ट में ही होनी चाहिए.

Sahapedia.org पर उदाहरण देखें

- **(Basgo: Remains of a Royal Precinct)**
- **Door Frame Designs of Nagara Temples**

प्रदेय 1 (कोई एक विकल्प चुनें)

1. सचित्र अवलोकन: इस आलेख में आप 3000 शब्दों में मूल विषय-वस्तु का परिचय देते हैं. इसमें विषय के मुख्य आयाम, मूल बिन्दुओं के साथ-साथ वर्तमान में इस पर शोध की उपयोगिता और इससे संबंधित साहित्य का संक्षिप्त परिचय शामिल किया जाना चाहिए. इस आलेख में साथ 5-10 चित्र/छवि शामिल किया जाना चाहिए. अगर उक्त विषय में ऐसी किसी छवि की गुंजाइश ना हो, तो ही इसे छोड़ा जाना चाहिए. आदर्श स्थिति में यह आलेख अभ्यर्थी के द्वारा ही लिखा जाना चाहिए पर जरूरत पड़ने पर यह उक्त विषय के किसी विद्वान द्वारा भी लिखवाया जा सकता है.

   Sahapedia.org पर इसके उदाहरण देखें:

   - **Manuscript Painting of Assam : Historical and Contemporary Perspectives.(ஃபெல்லோஷிப் 2017)**
   - **Reimagining Rajasthan : An institutitional history of Rupayan Sansthan, Jodhpur**

- **The vegetation of the Thar Desert : Geography, History, Culture and Conservstion (ஃபெல்லோஷிப் 2017).**

2. लघु वृत्तचित्र (15-20 मिनट): इस वृत्तचित्र की भूमिका भी अवलोकन आलेख की तरह परिचय के लिए होनी चाहिए. कथानक, मुद्दा तथा केंद्र-बिंदु की स्पष्टता से धारणा साफ़ झलकनी चाहिए. सभी विडियो में अंग्रेजी के उपशीर्षक/संवाद होने चाहिए.
   इसके साथ विषय-वस्तु का 500 शब्दों में संक्षिप्त परिचय दिया जाना चाहिए. वृत्तचित्र का निर्माण अभ्यर्थी के द्वारा ही होना चाहिए पर विशेष स्थिति में उक्त विषय के किसी विद्वान् द्वारा भी इसका निर्माण कराया जा सकता है.

   Sahapedia.org पर उदहारण देखें:

- **Majnu ka Tilla (ஃபெல்லோஷிப் 2017)**
- **Saharay: An Unexpected Heritage of the Santhal Community (ஃபெல்லோஷிப் 2017)**
- **Hyderabadi Tryst with Iftar (ஃபெல்லோஷிப் 2017)**

(वृत्तचित्र निर्माण तथा संपादन में सहपिडिया सहायता कर सकती है)

प्रदेय 2 एवं 3 (कोई दो विकल्प चुनें)

1. **सचित्र सहायक आलेख:** जहाँ विस्तृत आलेख में पूरे विषय-वस्तु का परिचय दिया जाता है तो वहीँ इस सहायक आलेख में किसी ख़ास आयाम की चर्चा 1500 शब्दों में जाती है. इसके साथ 3-5 छवियाँ संलग्न की जा सकती हैं. जरूरत पड़ने पर अभ्यर्थी के अलावा किसी विद्वान् से यह आलेख लिखवाया जा सकता है

Sahapedia.org पर उदाहरण देखें:

- **A medley of Faiths : Towards a Composite Religious Culture in Early Medieval Rarh (ஃபெல்லோஷிப் 2017)**
- **Kapdagondas : Embroidery and Work for Dongariyakondh Women (ஃபெல்லோஷிப் 2017)**

2. **फोटो आलेख (20 छवियाँ):** इसके माध्यम से हम विषय के बारे में दृश्यों द्वारा परिचय देते हैं. कथानक की स्पष्टीकरण के लिए साथ में 500-800 शब्दों का एक आलेख संलग्न होना चाहिए. इस आलेख को परिचय तथा व्याख्या के दो हिस्सों में विभाजित किया जाना चाहिए. चित्रों के साथ में व्याख्या या शीर्षक अथवा लेख के साथ में संदर्भ के तौर पर चित्र का इस्तेमाल होना चाहिए. अभ्यर्थी फोटोग्राफी तथा लेख का काम स्वयं कर सकते हैं या जरूरत पड़ने पर किसी जानकार के द्वारा करवा सकते हैं.

छवि विवरण: छवि अपनी लंबाई की तरफ कम से कम 1500px तथा फाइल साइज़ 2mb होनी चाहिए.

Sahapedia.org पर उदाहरण

- **Badla Embroiderers of Lucknow**
- **Life in the Lolab valley**
- **Gomira – Mask Dance of North Bengal**

या

छवि दीर्घा (30-50 छवियाँ): छवि दीर्घा में विषय-वस्तु का दृश्यों के माध्यम से दस्तावेज़ीकरण होना चाहिए. यहाँ पर फोटो आलेख की तरह किसी कथानक की जरूरत नहीं है. हर तस्वीर की व्याख्या के लिए एक शीर्षक तथा 200-300 शब्दों का लघु परिचय होना चाहिए. तस्वीर लेने तथा परिचय लिखने का काम अभ्यर्थी स्वयं कर सकते हैं अथवा आवश्यकता पड़ने पर किसी जानकार को सौंप सकते हैं.

Sahapedia.org पर उदाहरण देखें:

- **Images of Champaner-Pavagarh II**
- **Flora and Fauna of Sundarbans**

- **Mud Murals of Singhbhum Pushkar : A Changing World**

3. **लिखित साक्षात्कार:** उक्त विषय के विद्वान् के साथ विषय पर उनके नजरिये का लिखित साक्षात्कार. ऐसे 10 प्रश्नोत्तर होने चाहिए जिनसे विषय के बारे में शोध, ठोस चर्चा तथा विशेष मुद्दों की जानकारी मिले. इस साक्षात्कार का स्वरुप अभ्यर्थी द्वारा ही तैयार किया जाना चाहिए. अभ्यर्थी का स्वयं इसमें शामिल रहना जरूरी है.

Sahapedia.org पर उदाहरण देखें:

- **Interview with Dr H.S.Shivaprakash on Vachanas, Akkamahadevi and translations (Indian Art Criticism : Its Past and Present)**
- **Interview with Prof. Ebba Koch about the Taj Mahal and Mughal Architecture (In Conversation : Ebba Koch).**